आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–13 नवम्बर 2025 भोजपुरी समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहले हवें कि केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की ओरि से निर्यातकन बदे ऋण गारंटी योजना के मंजूरी से वैस्विक प्रतिस्परधा के बढ़ावा मिली अउर सुचारू व्यवसायिक संचालन सुनिस्चित होई। एहसे भारत के एगो आत्मनिरभर राष्ट्र बनले में मददि मिली। एगो रिपोर्ट–

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की सराहना करते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि निर्यात संवर्धन मिशन–ईपीएम, निर्यात प्रतिस्पर्धा में सुधार करेगा और एम एस एम ई, पहली बार निर्यात करने वाले तथा श्रम–प्रधान क्षेत्रों की मदद करेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने निर्यातकों के लिए कल एक नई ऋण आश्वासन योजना को मंजूरी दी, जो एमएसएमई सहित निर्यातकों को शत–प्रतिशत ऋण का आश्वासन प्रदान करती है। यह योजना बीस हजार करोड़ रूपए तक का अतिरिक्त ऋण प्रदान करेगी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य भारत को एक लाख करोड़ रूपए के निर्यात लक्ष्य का समर्थन करना और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना है। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निर्यातकन से जुड़ल ऋण गारंटी योजना बदे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अभार जतवले हवें। एगो सोसल मीडिया पोस्ट में मुख्यमंत्री कहलें कि ई योजना 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प के मजबूती देई।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु लखनऊ में लोकनायक भगवान बिरसा मुंडा के एक सौ पचासवीं जयंती के मौका पर आयोजित 'जनजाति भागीदारी उत्सव' के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिहलें। येह मौका पर उहां के कहलीं कि प्रदेस के अन्दर सज्जो अनुसूचित जनजाति के बस्तियन के सरकार सज्जो तरह क सुविधा देई।

प्रदेश में यह भी सुनिश्चित किया गया कि 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत जितनी भी अनुसूचित जनजाति की बस्तियां उत्तर प्रदेश के अंदर हैं, उन्हें सभी प्रकार की सुविधाओं से आच्छादित करने के साथ ही उन कार्यक्रमों का आगे बढ़ाना है जिसमें छब्बीस जनपदों के सैंतालीस ब्लॉक व पांच सौ सत्रह ग्रामों में हम लोगों ने इसके लिए चिन्हित किया है।

मुख्यमंत्री येह बाति पर खुसी जतवलें कि प्रदेस क तेइस हजार से बेसी वन इलाका में रेह वाले अनुसूचित जनजाति के लोगिन के उनके घर क मालिकाना हक दीहल गइल। श्री योगी जनजाति भागीदारी उत्सव के उद्घाटन वाले जगहि पर जनजातीय समाज के उपलब्धियन के देखावत हस्तसिल्प आ कला परदरसनी अउरी व्यंजन मेलो क निरीक्षण कइलें।

****

पड़ोसिहा राज्य बिहार के विधानसभा चुनावन बदे ओटे क गिनती बिहने भिन्नहीं आठ बजे सुरू होई। आकाशवाणी समाचार से बतियावत बिहार क मुख्य चुनाव अधिकारी, विनोद सिंह गुंजियाल बतवलें कि सज्जो मतगणना केन्द्रन पर सुरक्षा क पुरहर इंतिजाम कइल गइल बा।

टोटल हमारे 46 काउंटिंग सेंटर्स हैं, जहां बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतों की गणना की जाएगी। काउंटिंग सेंटर्स, सीसीटीवी, वीडियोग्राफी से फुली कवर्ड है।

****

देस आपन राष्ट्रीय गीति, वंदेमातरम क एक सौ पचासवीं सालगिरह मना रहल हौ। ई गीति भारतीय लोगिन के पीढ़ियन के एकजुट भइले, आगे बढ़ले आ राष्ट्र भावना क जस्न मनावे बदे प्रेरित कइले हौ। प्रस्तुत बा हमरे संवाददाता क खास रिपोर्ट–

1904 में सिस्टर निवेदिता ने बंगाली में वंदे मातरम लिखे वज्र ध्वज को डिजाइन किया। यह ध्वज जल्द ही प्रतिरोध का एक प्रतीक बन गया, जिसे बंगाल विभाजन के दौरान बैठकों और रैलियों में देखा गया और बाद में 1906 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गर्व से प्रदर्शित किया गया। पहला ध्वज जिसे अखिल भारतीय मान्यता मिली 1906 में 7 अगस्त को कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। सचिंद्रनाथ बोस और सुकुमार मित्रा द्वारा डिजाइन किए गए इस ध्वज में तीन क्षितिज पट्टियाँ थीं। कलकत्ता ध्वज, जिसे बंदे मातरम ध्वज के नाम से भी जाना जाता है। यह जल्द ही भारत की एकता और आशा का एक शक्तिशाली प्रतीक बन गया। 1906 में, बिपिन चंद्र पाल ने 'बंदे मातरम' नामक एक दैनिक पत्रिका शुरू की और श्री अरबिंदो को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। दोनों ने मिलकर इसे एक सशक्त मंच में बदल दिया जिसने लोगों को जागृत किया और उन्हें कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इसके पन्नों के माध्यम से, वंदे मातरम केवल एक नारे से बढ़कर, विचार, साहस और राष्ट्रीय गौरव का एक आंदोलन बन गया। शिवांग और सौम्या के साथ, अक्षित वैद्यान आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

वाराणसी के छावनी के रणबांकुरे स्टेडियम में आजु अग्निवीर भरती रैली के दौरान बलिया आ चन्दौली जिला क छौ सौ एक अभ्यर्थी पास भइलें। हमरे वाराणसी प्रतिनिधि बतवलें कि अग्निवीर सोल्जर जनरल ड्यूटी में चयन बदे भइल येह रैली में एक हजार दुइ सौ अठारह अभ्यर्थियन के बोलावल गइल रहे।

****